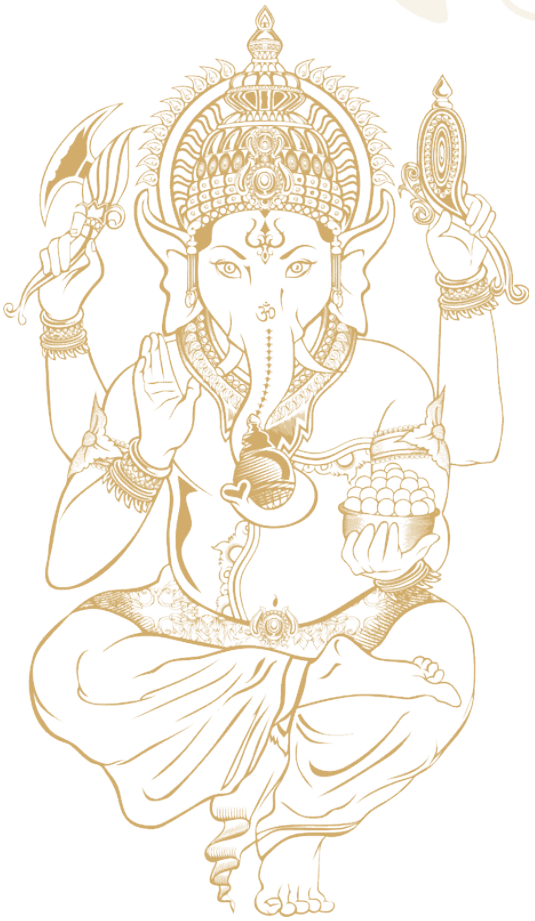

Vaishnavi adagale

09 Dec 2003

04:05 AM

Pune

Model: web-freekundliweb

Order No: 121680105

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**8-09/12/2003**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:05:00 घंटे**
इष्ट	52:56:27 घटी
स्थान	**Pune**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:34:00 उत्तर
रेखांश	73:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:30:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:20 घंटे
साम्पातिक काल	08:39:57 घंटे
सूर्योदय	06:54:25 घंटे
सूर्यास्त	17:57:20 घंटे
दिनमान	11:02:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	22:30:31 वृश्चिक
लग्न के अंश	13:37:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:37:06	330:44:43	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	22:30:31	01:00:55	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	23:23:58	11:51:28	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	01:45:17	00:33:35	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			धनु	13:20:46	01:02:47	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			सिंह	23:55:51	00:04:47	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	20:50:31	01:14:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		मिथु	17:39:11	00:04:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:28:50	00:03:09	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:28:50	00:03:09	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:22:43	00:01:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	17:05:56	00:01:30	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:43:23	00:02:17	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कर्क	13:40:00	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:30

लग्न-चलित

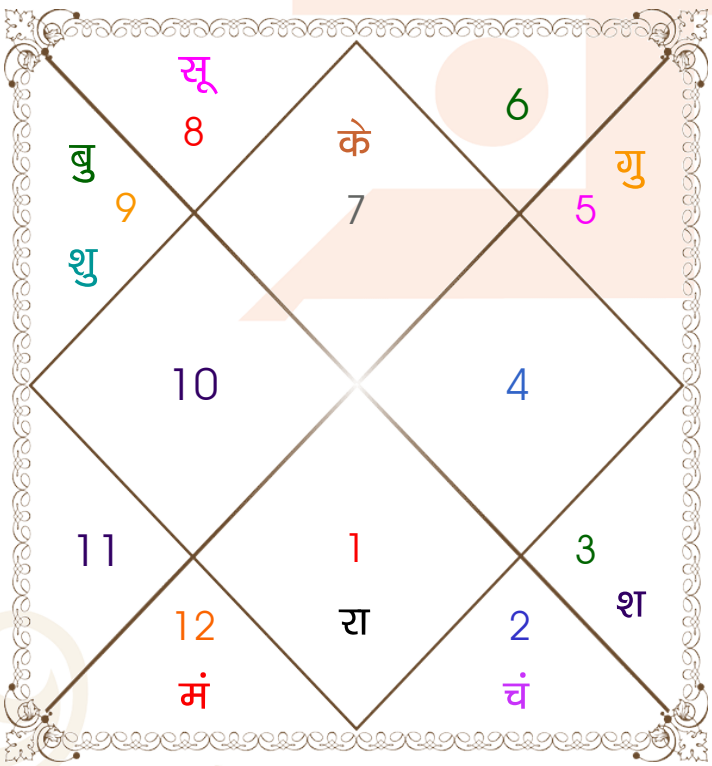

चन्द्र कुंडली

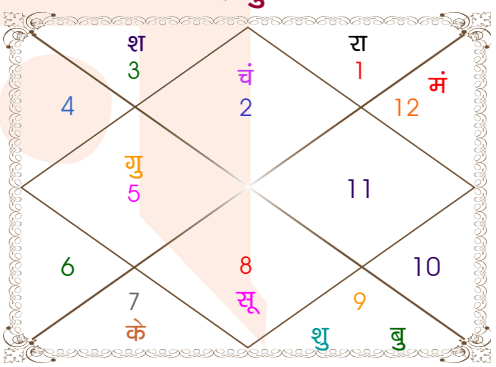

नवमांश कुंडली

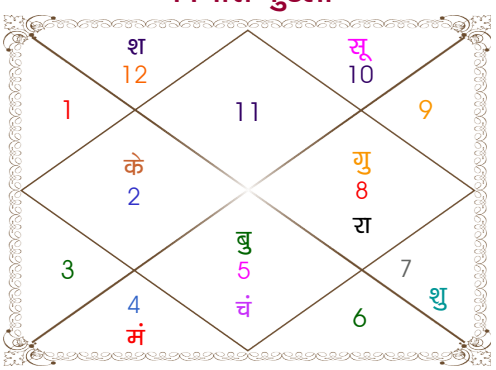

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 11 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/12/2003		26/11/2010		25/11/2028		25/11/2044		26/11/2063	
26/11/2010		25/11/2028		25/11/2044		26/11/2063		25/11/2080	
मंगल	23/04/2004	राहु	08/08/2013	गुरु	13/01/2031	शनि	29/11/2047	बुध	24/04/2066
राहु	12/05/2005	गुरु	02/01/2016	शनि	27/07/2033	बुध	08/08/2050	केतु	21/04/2067
गुरु	18/04/2006	शनि	07/11/2018	बुध	02/11/2035	केतु	17/09/2051	शुक्र	19/02/2070
शनि	27/05/2007	बुध	27/05/2021	केतु	08/10/2036	शुक्र	17/11/2054	सूर्य	26/12/2070
बुध	24/05/2008	केतु	14/06/2022	शुक्र	09/06/2039	सूर्य	30/10/2055	चंद्र	27/05/2072
केतु	20/10/2008	शुक्र	14/06/2025	सूर्य	27/03/2040	चंद्र	30/05/2057	मंगल	24/05/2073
शुक्र	20/12/2009	सूर्य	09/05/2026	चंद्र	27/07/2041	मंगल	09/07/2058	राहु	11/12/2075
सूर्य	27/04/2010	चंद्र	08/11/2027	मंगल	03/07/2042	राहु	15/05/2061	गुरु	18/03/2078
चंद्र	26/11/2010	मंगल	25/11/2028	राहु	25/11/2044	गुरु	26/11/2063	शनि	25/11/2080

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/11/2080		26/11/2087		27/11/2107		26/11/2113		27/11/2123	
26/11/2087		27/11/2107		26/11/2113		27/11/2123		00/00/0000	
केतु	23/04/2081	शुक्र	27/03/2091	सूर्य	16/03/2108	चंद्र	27/09/2114	मंगल	10/12/2123
शुक्र	24/06/2082	सूर्य	27/03/2092	चंद्र	14/09/2108	मंगल	28/04/2115		00/00/0000
सूर्य	29/10/2082	चंद्र	25/11/2093	मंगल	20/01/2109	राहु	27/10/2116		00/00/0000
चंद्र	30/05/2083	मंगल	26/01/2095	राहु	15/12/2109	गुरु	26/02/2118		00/00/0000
मंगल	27/10/2083	राहु	25/01/2098	गुरु	03/10/2110	शनि	27/09/2119		00/00/0000
राहु	13/11/2084	गुरु	26/09/2100	शनि	15/09/2111	बुध	26/02/2121		00/00/0000
गुरु	20/10/2085	शनि	27/11/2103	बुध	21/07/2112	केतु	27/09/2121		00/00/0000
शनि	29/11/2086	बुध	27/09/2106	केतु	26/11/2112	शुक्र	28/05/2123		00/00/0000
बुध	26/11/2087	केतु	27/11/2107	शुक्र	26/11/2113	सूर्य	27/11/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 11 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।